॥ श्रीः ॥

योगचिन्तामणि.

श्रीमद्भिषक्शिरोमणिश्रीहर्षकीर्तिनिर्मित ।
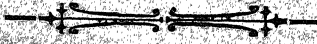
माथुरवंशावतंसश्रीयुतकन्हैय्यालालपाठकतनयदत्तरामकृत-

माथुरीमंजूषाभाषाटीकासहित ।

वही

खेमराज श्रीकृष्णदासने

मुंबई

निज "श्रीवेंकटेश्वर" स्टीम्-मुद्रणयन्त्रालयमें

मुद्रितकर प्रकाशित किया ।

संवत् १९७४, शके १८३९.

यह पुस्तक खेमराज श्रीकृष्णदासने बम्बई खेतवाडी ७ वीं गली खम्बाटालैन, निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम् प्रेसमें अपने लिये छापकर, यहीं प्रकाशित किया ।